अध्याय -2

सामान्य तस्वीरकेँ बदलब

0680CH02

ई अध्याय अहाँके प्रकृतिक चमत्कार मे डुबा देत। अहाँ बाहर निकलि क आन जीवन रूपमे बहुत रास सुन्दर आकार, रूप, रङ्ग, प्रतिरूप आ बनावट ताकब। अहाँ चित्रकला आ चित्रकला गतिविधिक माध्यमसँ एहि विवरणकेँ दर्ज करब सीखब।

अहाँ अपन प्राकृतिक रङ्ग बनएबाक आकर्षक प्रक्रियाक सङ्ग-सङ्ग रङ्ग टिण्टस् आ शेडस् बनएबाक तकनीक सभ सेहो सीखब। ई अध्याय अहाँके रचनात्मक रूपसँ सोचबाक लेल प्रेरित करत, आ दुनियाकेँ देखबाक तरीका बदलि देत।

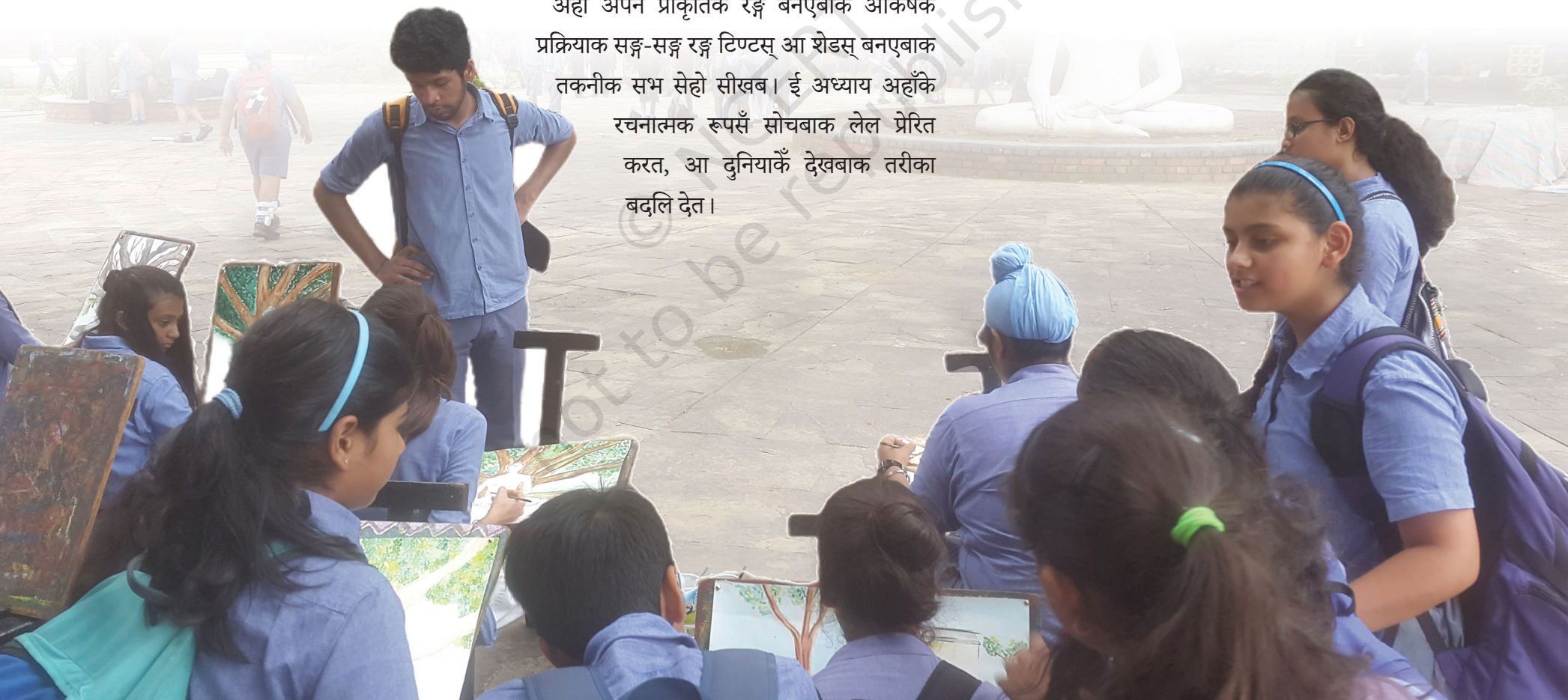

© NCERT not to be republished

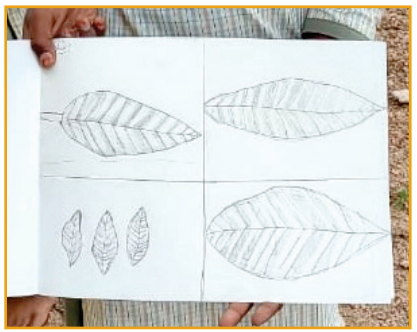

गतिविधि -1 प्रकृति पथ पर घुमब

जखन अहाँ गाछ, पौधा, पहाड़ी, धारा, समुद्र आ बालूसँ घेरल रहैत छी तखन अहाँ केहन अनुभव करैत छी? दू सँ तीन मिनट ई कल्पना करू जे अहाँ प्रकृतिसँ घेरायल छी। अहाँ सभ की देखैत छी? जखन अहाँ ओकरा छूबैत छी तखन अलग-अलग चीज केहन लगैत अछि? अपना पैरक नीचा अहाँ की अनुभव करैत छी? अहाँ कतेक दूर देखि सकैत छी? की किछु घूमि रहल अछि? अहाँ की सुनैत छी?

चारि सँ पाँच छात्रक छोट-छोट समूह बनाउ आ अपन कल्पनाकेँ एक दोसराक सङ्ग साझा करू।

अपन ड्राइङ्ग बुक आ एकटा पेन्सिल लिय, आ अपन परिवेशक अन्वेषण करबाक लेल बाहर निकलू।

1. आकाश के देखू आ ओकर विशालता के अनुभव करू। अहाँ जे रङ्ग देखैत छी वा मेघक रूपकेँ नोट करू।

2. जमीन के देखू। माटिक रङ्ग, विभिन्न प्रकारक पाथर, कङ्कड़ आ छोट-छोट चट्टानक अवलोकन करू। ओकर बनावट के स्पर्श करू आ महसूस करू। की ई चिक्कन, खुरदरा, ऊबड़-खाबड़, दानेदार अथवा कोनो आन बनावट के अछि?

3. कोनो एहन स्थान ताकू जतए किछु पौधा आ गाछ अछि। पौधाकेँ धीरे-धीरे स्पर्श करू आ ओकर पात, तना, छाल, फूल, बीजक फली आ कोनो आन चीज जे अहाँ देखैत छी ओकर बनावटकेर अनुभव करू। ओहि बनावट के चित्र बनेबाक कोशिश करू अथवा शब्दक माध्यम सँ एकरा नोट करू।

4. पातक आकार आ अहाँजे रेखा आ प्रतिरूप देखैत छी ओकर बारीकी सँ निरीक्षण करू। तीनटा पात बनाउ जकर आकार, रेखा आ पैटर्न अलग-अलग होय । ओकर रङ्गके नोट बनाउ।

5. कोनो जानवर, चिड़ै अथवा कीड़ा-मकोड़ाक बारीकी सँ निरीक्षण करू। की ओ सभ बैसल अछि , सुतैत अछि , ठाढ़ अछि अथवा घूमि रहल अछि ? ओकर रूपक चित्र बनेबाक कोशिश करू।

एकरा एकटा समूह मे जमा करू, आ अपन चित्र आ अवलोकन एक दोसराक सङ्ग साझा करू।

अभ्यास करू: एकटा दृश्य पत्रिका प्रारम्भ करू आ प्रत्येक दिन जे अलग-अलग चीज अहाँ देखैत छी ओकर चित्र बनाउ।

© NCERT not to be republished

गतिविधि -2 क्षेत्र भ्रमण

कोनो सङ्ग्रहालय, कला स्टूडियो अथवा कोनो एहन स्थान पर जाउ जतए कलाकार काज करैत छथि।

एहि प्रश्नक आधार पर अपन अवलोकन पर ध्यान दियौक:

1. अहाँ कोन तरहक दृश्य कलाकृति देखैत छी?
2. कलाकृति बनाबए मे कोन सामग्री प्रयोग कएल जाइत अछि?
3. कलाकार के छथि? ओ कोन उपकरण आ तकनीकक उपयोग करैत छथि?
4. कलाकृति बनाबै अथवा प्रदर्शित करबाक लेल स्थानक व्यवस्था कोना कएल जाइत अछि?
5. अहाँके कोन नब विचार अथवा अनुभव भेटल?

अपन अनुभवसँ बनाउ अथवा अहाँ एहि चित्रसभक उपयोग सन्दर्भक रूपमे कऽ सकैत छी।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3: प्राकृतिक रङ्ग बनाउ

की अहाँ कहियो सोचलहुँ जे रङ्ग कतए सँ अबैत अछि? ओ कोना बनैत अछि? तैयार बक्सामे रङ्गीन पेन्सिल, क्रेयॉन आ पेण्ट होयबासँ पहिने कलाकार सभ की प्रयोग करैत छलाह?

अहाँ जे भोजन खाइत छी ओकरा बारे मे सोचू। जखन दालि घरमे रान्हल जाइत अछि, तखन एकरा बेसी पीयर बनेबाक लेल की मिलाएल जाइत अछि?

हरदि अहाँ एकरा अपन भाषा मे घर पर की कहैत छी?

आब, आन भोजन के बारे मे सोचू जे अहाँ खा चुकल छी। जँ ई छिलकि जाइत अछि तखन ओकर किछु रङ्ग अहाँक अङ्गुरी, जीह आ एतय धरि कि अहाँक कपड़ा पर दाग लगा दैत अछि।

तहिना फूलक उपयोग रङ्ग निकालबाक लेल सेहो कएल जा सकैत अछि।

गाछक अतिरिक्त, माटि, पाथर आ खनिज भण्डारसँ सेहो रङ्ग बनाओल जा सकैत अछि। एहि प्रक्रियासभक उपयोग लोक द्वारा विभिन्न कलात्मक उद्देश्यक लेल रङ्ग तैयार करबाक लेल कएल गेल अछि।

अपन भोजनमे किछु फल, तरकारी, पात आ जडिके सूची बनाऊ, जे जखन अहाँ ओकरा थकुचैत छी अथवा पकबैत छी तखन रङ्ग दैत अछि।

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____

© NCERT not to be republished

आउ अपन प्राकृतिक रङ्ग बनाएब सीखैत छी।

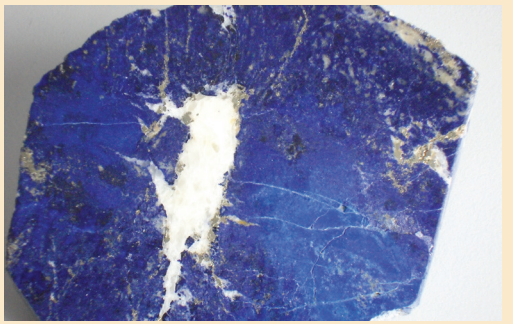

चरण 1: माटि, खनिज, तरकारी, फूल, फल, जड़ी , कोइला आदिसँ कच्चा माल प्राप्त करू। (कारी चारकोल आ नीला लैपिस लाजुली पत्थरक चित्र देखू।

चरण 2: अशुद्धिकेँ दूर करबाक लेल स्रोतसं प्राप्त कएल गेल वर्णक कैं मेही चूर्ण आ छानल जाइत अछि।

चरण 3: पाउडरमे सही अनुपात मे एकटा बन्धक (बाइंडर) जोड़ल जाइत अछि। ई रङ्ककेँ ओहि सतह पर चिपकयबामे सहायता करैत अछि, जाहिपर ओ चित्रित कएल गेल अछि। गम अरबी (बाबुल गाछक छालसँ रस), तेल, दूध, अण्डाक उज्जर आ अण्डाक जर्दी किछु प्राकृतिक बन्धक अछि।

चरण 4: तैयार रङ्ग कलाकृति पर उपयोग कएल जाइत अछि।

गतिविथि -4 : प्राकृतिक रङ्गसँ कलाकृति बनाउ

चरण 1: पृथ्वी अथवा पौधा सभसँ किछु सामग्रीक स्रोत बनाउ।

चरण 2: अपन शिक्षक आ साथीसभक सङ्ग रङ्ग तैयार करबाक प्रक्रियापर चर्चा करू, आ अपन रङ्ककेँ एक सङ्ग तैयार करू।

चरण 3: अहाँजे रङ्ग तैयार कयने छी ओहिसँ अलग-अलग रङ्ग सम्योजनक योजना बनाउ आ प्रयोग करू।

चरण 4: एकटा एहन रङ्गक बारे मे सोचू जकर उपयोग अहाँक कलाकृति मे कएल जा सकैत अछि।

चरण 5: प्राकृतिक रङ्गक उपयोग करैत अपन कलाकृति बनाउ।

सभगोटे अपन कलाकृति पूरा कएलाक बाद कलाकृतिक कक्षामे प्रदर्शन करू। अपन कलाकृतिकेँ शीर्षक आ अहाँक द्वारा उपयोग कएल गेल सामग्रीक विवरणक सङ्ग लेबल करू।

अहाँ अपन किछु प्रारम्भिक रेखाचित्र अथवा प्रयोगकेँ सेहो प्रदर्शित आ साझा कऽ सकैत छी जे अहाँक काजक प्रक्रियाकेँ देखबैत अछि। ओहि प्रक्रिया आ रङ्गक चर्चा करू जे सबहक कलाकृतिमे देखल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

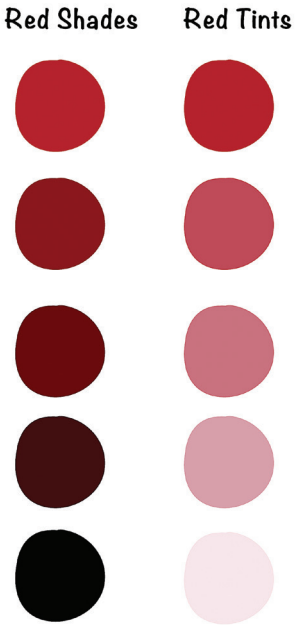

गतिविधि -5 रङ्ग मुद्रण एवम् छायाक निर्माण

की रङ्ग सेहो हमर सभक मनोदशा बदलैत अछि?

की अहाँ देखलहुँ जे दिन भरि अहाँक मूड कोना बदलैत अछि? अपन मनोदशा के मोन पाड़यमे आ ओकरा बारे मे गप्प करय मे पाञ्च मिनट बिताउ:

1. जखन अहाँ विद्यालय के बाद घर जाइत छी तखन अहाँ के मूड केहन होइत अछि?
2. रात्रिभोजक समय अहाँक मूड केहन अछि?
3. सुतए सँ पहिने अहाँक मूड की अछि?
4. जखन अहाँ भोर मे उठैत छी तखन अहाँक मूड केहन होइत अछि?
5. आब अहाँक मूड केहन अछि?

मनोदशा आ भावना किछु समय धरि रहैत अछि आ धीरे-धीरे बदलैत रहैत अछि। ओ सभ मजगूत आ तीव्र, अथवा हल्लुक अनुभव कऽ सकैत अछि ।

रङ्ग सेहो ओहने अछि। हम ओकरा जीवन्त, तीव्र, गहींर, पीयर , हल्लुक , बना सकैत छी। आ एहि तरहेँ सोचू जे सूर्योदय अथवा सूर्यास्तक समय आकाशमे रङ्ग कोना बदलैत अछि।

खराब कपड़ाक सङ्ग कोलाज

की अहाँ देखलहुँ जे सूर्यक रौद आ बेर-बेर धोयबाक कारण समयक सङ्ग अहाँक कपड़ाक रङ्ग फीका भऽ जाइत अछि? ई उज्ज्वलसँ सुस्त वा अन्हारसँ प्रकाशमे बदलि जाइत अछि।

कलामे रङ्गक एहि भिन्नता सभकेँ रङ्ग आ छाया कहल जाइत अछि। हम कोनो रङ्गमे उज्जर जोड़ि रङ्गक रङ्ग बनबैत छी। हम कोनो रङ्गमे कारी जोड़ि रङ्गक छटा बनबैत छी।

रङ्ग + उज्जर = रङ्गक टिण्ट

रङ्ग + करिया = शेडस्

© NCERT not to be republished

रङ्ग टिण्ट आ शेड बनाए जा रहल अछि

चलू अभ्यास करू!

सामग्री: चित्र बनएबाक लेल सादा कागत आ रङ्ग (जल रङ्ग, पोस्टर रङ्ग अथवा पाउडर रङ्ग) - करिया, उज्जर, आ दू अथवा तीनटा अन्य रङ्ग।

विकल्प: पुरान अखबार अथवा पत्रिका सँ रङ्गीन पन्ना लिअ, आ कागत के मोज़ेक बनएबाक लेल रङ्गक अलग-अलग रङ्ग आ रङ्ग ताकू।

प्रकृतिक पैलेट

की अहाँ कहियो प्रकृति मे रङ्गक विविधता पर आश्चर्यचकित भेल छी?

बाहर निकलू आ तीनटा पात ताकू जे तीन अलग-अलग रङ्ग अथवा रङ्गक हो।

अहाँ जे निकटतम छाया देखैत छी ओकरा प्राप्त करबाक लेल विभिन्न रङ्गक मिश्रण करबाक प्रयास करू।

विस्तार — मानचित्रण मुद्रण आ रङ्ग

सन्दर्भक रूपमे अहाँजे रङ्गक निर्माण कयने छी ओकर प्रयोग करू। सङ्ग्रहालयक वेबसाइट अथवा सचित्र पुस्तकसँ कलाकृतिक चित्र ताकू जाहिमे चित्रमे समान रङ्ग आ रङ्गक छाया सेहो होय । देखू जे कोना टिण्ट या शेड कलाकृतिक मनोदशा आ भावनाकेँ बढ़ा रहल अछि। एहि अभ्यासकेँ चारि सँ पाँच अलग-अलग रङ्ग, आ ओकर टिण्ट आ रङ्गक सङ्ग देाहराउ। रङ्गक छाह अथवा आ रङ्गक सङ्ग अहाँजे मनोदशा आ भावनाक अनुभव कयने छी ओकर संक्षिप्त विवरण लिखू।

© NCERT not to be republished

गतिविधि -6 द्वारा कलाकार द्वारा उपयोग कएल गेल सतह आ सामग्री

अहाँ सीखलहुँ जे प्रकृति सँ रङ्ग बनाओल जा सकैत अछि। कागतक आविष्कारसँ पहिने कलाकार प्राकृतिक सतह जेना चट्टान, गुफाक देवाल, माटिक प्लास्टर, ताड़क पात, लकड़ी आ कपड़ा पर चित्रकारी करैत छलाह।

ओ सभ टेराकोटा, पाथर, जानवरक हड्डी, चमड़ा, लकड़ी, धातु आ रेशाक उपयोग विभिन्न प्रकारक त्रिआयामी वस्तु आ मूर्तिकलाक शिल्प लेल सेहो कएलनि।

ओ सभ विशेष उपकरणक आविष्कार कएलनि आ प्रत्येक सामग्री आ सतहक सङ्ग काज करबाक तकनीक विकसित कएलनि।

जँ अहाँक लग कागत नहि रहत तँ अहाँ अपन कलाकृतिक लेल कोन सतह आ सामग्री चुनब? अपन प्रयोग करू आ अपन कलाकृति बनाउ।

नीच्चाँ पन्नामे देल गेल उदाहरण देखू। प्रागैतिहासिक कालसँ कलाकार द्वारा उपयोग कएल गेल विभिन्न सामग्री आ सतहक विषयमे अहाँ जानि सकैत छी।

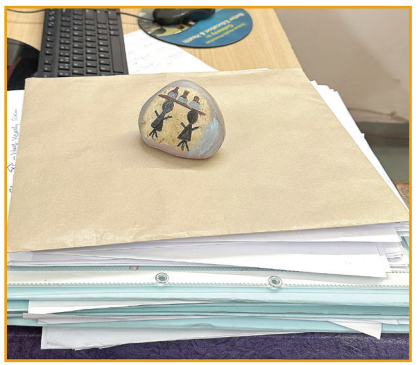

© NCERT not to be republished

रॉक सतह

पृथ्वी रङ्ग

भीमबेटका

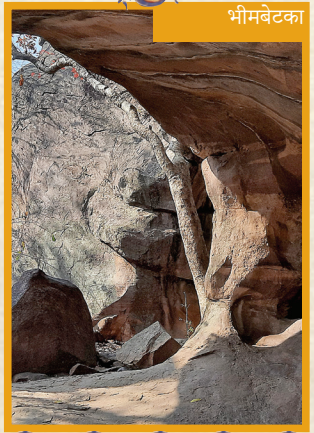

फ्रेस्को सतह

पृथ्वी आ खनिज रङ्ग

अजन्ता गुफा

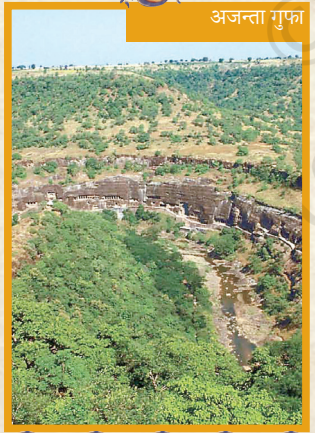

पत्ती सतह

प्राकृतिक रङ्ग

सूखल हथेलीक पात

देवाल , फर्श सतह

चाउरक आटा, पृथ्वीक रङ्ग

कोलाम

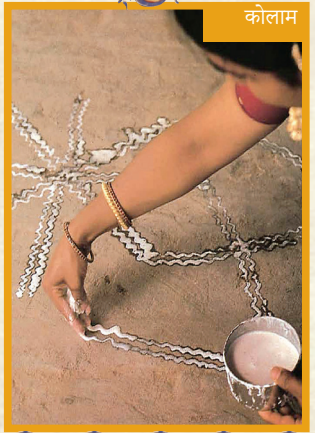

कपड़ाक सतह

प्राकृतिक डाई

कलमकारी

गतिविधि -7 : प्रकृतिसँ प्रेरणा

आब अहाँ जनैत छी जे कलाकार लोकनि अपन परिवेशकेँ बारीकी सँ देखैत छथि आ सूक्ष्म विवरणकेँ पकड़ैत छथि। प्रत्येक कलाकारक अपन कल्पना होइत छैक आ ओ जे सामग्री, उपकरण आ तकनीकक उपयोग करैत छथि ओहिमे अपन विकल्प चुनैत छथि। इएह बात हुनकर काज के अद्वितीय बनबैत अछि।

एकटा कलाकार जकाँ अहाँ सेहो अपन कल्पनाक उपयोग कऽ सकैत छी। अहाँ एहन सामग्री आ उपकरण चुनि सकैत छी जे अहाँक अपन विचारक लेल उपयुक्त हो। प्रकृति अहाँक प्रेरणा अछि आ अहाँ रचनाकार छी। अपन अनुभव आ अवलोकन शामिल करू।

ई पहाड़ अथवा नदी अथवा सूर्य नहि हेबाक चाही। अहाँ तय करैत छी जे अहाँ के लेल के प्रकृति के प्रतिनिधित्व करैत अछि। ई अहाँक लगपासक परिवेशसँ बहुत नजदीक भऽ सकैत अछि। मोन राखू, चित्र अहाँ के आँखि सँ हेबाक चाही!

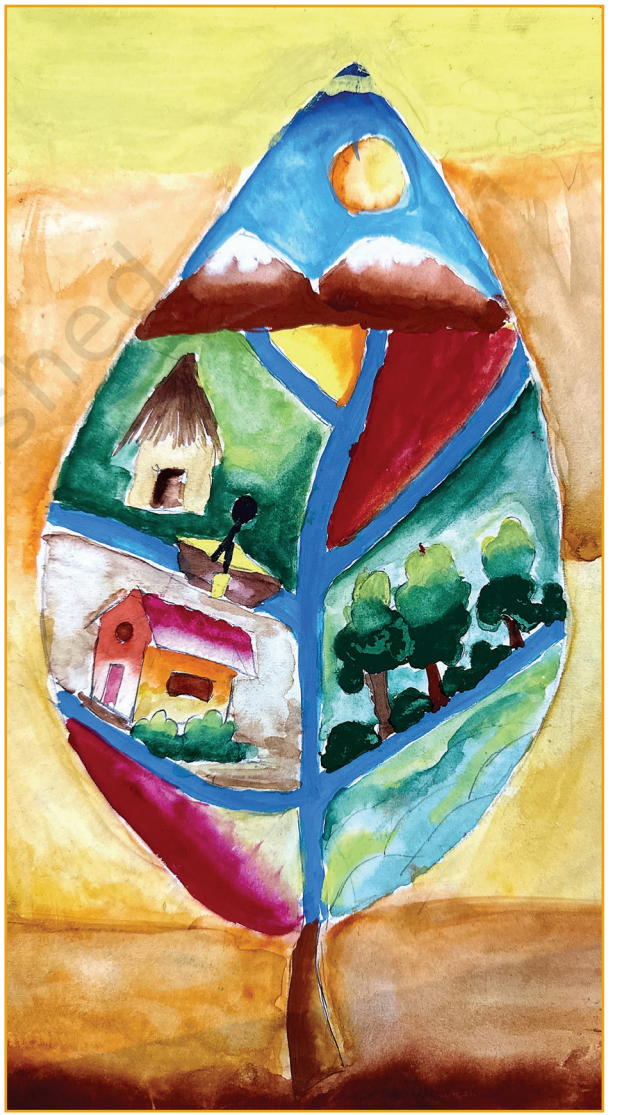

© NCERT not to be republished